

साइकेडेलिक पदार्थ

प्रलिस के लयः

साइकेडेलिक पदार्थ, [मनोचकितिसा](#), [NDPS अधनियम 1985](#), [अवसाद](#), [नशीली दवाओं की तसकरी](#)।

मेन्स के लयः

साइकेडेलिक पदार्थ और उनके नहितारथ।

चरचा में क्योँ?

हाल के वर्षों में [मनोचकितिसा \(Psychiatry\)](#) के नैदानिक और अनुसंधान क्षेत्र में साइकेडेलिकस पदार्थ के उपयोग को फरि से महत्त्व दिया जा रहा है।

- भारत [नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सबसटेंस एक्ट, 1985](#) साइकेडेलिक पदार्थों के उपयोग पर प्रतबिध लगाता है।

साइकेडेलिकः

परचियः

- साइकेडेलिकस दवाओं का एक समूह है जो धारणा, मनोदशा और वचिर प्रकरयिा को बदल देता है, जबक वियक्तिस्पष्ट रूप से सचेत होता है। सामान्यतः वयकर्ताकी सूझबूझ या दृष्टकिण भी अकषुण रहती है।
- साइकेडेलिकस ज़हरीले पदार्थों या नशे की लत नहीं हैं। अवैध दवाओं की तुलना में साइकेडेलिकस बहुत कम हानिकारक हैं।

- दो सबसे अधिक इस्तेमाल किये जाने वाले साइकेडेलिकस डी-लसैरजिक एसडि डायथाइलैमाइड (LSD) और साइलोसाइबनि (psilocybin) हैं।
- मेस्कैलनि कम इस्तेमाल किये जाने वाले साइकेडेलिकस में से है जो उत्तर अमेरिकी पयोट कैकटस ([\[?\]\[?\]\[?\]\[?\]\[?\]\[?\]\[?\]](#)) में पाया जाता है और एन, एन-डाइमथाइलट्रिप्टामाइन, दक्षणि अमेरिकी धार्मिक अनुष्ठान अयाहुस्का का एक प्रमुख घटक है।

- उपभोग के बाद शरीर पर प्रभावः साइकेडेलिक पदार्थों का उपयोग करने वालों मेंसोचने, समझने के तरीके में बदलाव, मनोदशा में परविरतन तथा मतभिरम जैसे अनुभव देखने को मलिते हैंः

- दृश्य क्षेत्र (Vision Domain) उन क्षेत्रों में से एक है जसिमें अवधारणात्मक बदलाव सबसे अधिक बार होता है।

- संवेदी तौर-तरीके में बदलाव की वचितिर घटना देखी जा सकती है जसिसनैस्थेसिया कहा जाता है, इसमें एक वयक्तिकोआवाजें दखिाई दे सकती हैं और वह रंगों को सुन सकता है।

- दैहिक अनुभवों में आंतर संबंधी, स्पर्शनीय और इंटरओसेप्टिव (शरीर की आंतरिक स्थतियिाँ) अनुभूतयिाँ शामिल की जा सकती हैं।
- उत्साह, चतिा और वयामोह मनोदशा परविरतन के अंतरगत आते हैं।
- उत्साही अनुभवों में वयकर्ता को पारलौकिक आध्यात्मिक अनुभव भी हो सकता है।

मुददेः

- ओवरडोज के लयि कम उददीपन और आश्वस्त वातावरण में कार्डयिक मॉनटरिग तथा सहायक प्रबंधन की आवश्यकता होती है।
- सथिटिक साइकेडेलिकस (जैसे 25I-NBOMe) एक्यूट कार्डयिक, सेंटरल नर्वस ससि्टम और लमिब इस्कमियिा के साथ-साथ सेरोटोननि सडिरोम से जुड़े हुए हैं।

- सथिटिक साइकेडेलिक के उपयोग को सीधे तौर मौत के लयि ज़मिमेदार ठहराए जाने की खबरें भी मली हैं।

- अवसाद/डपिरेशन का उपचारः

- नवंबर 2022 में साइलोसाइबनि चरण- II के परीक्षण के परिणाम न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिनि में प्रकाशित हुए थे। परीक्षण में पाया गया कि साइलोसाइबनि की 25 मलीग्राम की एक एकल खुराक ने उपचार-प्रतिरोधी अवसाद वाले लोगों में तीन सप्ताह में अवसाद के स्तर को कम कर दिया।
- इन नषिकर्षों को हाल ही में एक चरण- IIB परीक्षण में दोहराया गया था, जिसमें पाया गया कि 25 मलीग्राम साइलोसाइबनि की एक खुराक से अवसाद की गंभीरता, चलाकी की स्थिति में सुधार देखा गया।

नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सबस्टेंस एक्ट 1985:

- यह 1985 में अधिनियमित किया गया था और देश में [ड्रग्स और उनकी तस्करी](#) से संबंधित है।
 - वर्ष 1988, 2001 और 2014 के बाद अधिनियम में तीन बार संशोधन किये गए हैं।
- अधिनियम भाँग, हेरोइन, अफीम आदि सहित अनेक मादक दवाओं या मनःप्रभावी पदार्थों के उत्पादन, निर्माण, बिक्री, खरीद, परिवहन तथा उपभोग पर प्रतिबंध लगाता है।
 - हालाँकि अधिनियम के तहत भाँग प्रतिबंधित नहीं है।
- NDPS अधिनियम की धारा 20 के तहत अधिनियम में परिभाषित भाँग के उत्पादन, निर्माण, बिक्री, खरीद, आयात और अंतर-राज्य निर्यात के लिये दंड का प्रावधान है। निर्धारित सज़ा जब्त दवाओं की मात्रा पर आधारित है।
- यह कुछ मामलों में मौत की सज़ा का भी प्रावधान करती है जहाँ एक व्यक्ति बार-बार अपराध करता है।

[स्रोत: द हद्रि](#)

PDF Reference URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/psychedelic-substances>

